**Area under Slum Clearance in Delhi**

2726. **Shri Shiv Charan Gupta:**
**Shri Ramachandra Ulaka:**
**Shri Dhuleshwar Meena:**

Will the Minister of **Works, Housing and Urban Development** be pleased to state:

(a) the number of Bastis and Katras in Delhi covered under the Slum Improvement Scheme;

(b) how many of these were improved by 1961 and by 31st March, 1965;

(c) the expenditure incurred thereon; and

(d) the expenditure recovered from the landlords and/or tenants and how much is in arrears?

**The Minister of Works, Housing and Urban Development (Shri Mehr Chand Khanna):** (a) 2445.

(b) 326 katras and bastis were improved by the end of March, 1961, and another 1,317 between April 1961 and the 31st March, 1965.

(c) About Rs. 36.74 lakhs, including Rs. 8.27 lakhs on the improvement of private katras.

(d) A sum of Rs. 7.33 lakhs has been recovered from landlords and Rs. 0.94 lakh is in arrears.

**Housing and Slum Clearance Schemes**

2727. **Shri Kolla Venkaiah:** Will the Minister of **Works, Housing and Urban Development** be pleased to state:

(a) whether Government have taken any decision on the report of the Thacker Committee on the housing and slum clearance schemes;

(b) if so, the details of the decision taken;

(c) whether the matching grants and loans given to States for the scheme have been converted into outright grants and loans in view of the slow progress;

(d) if so, the amounts of grants and loans to different States; and

(e) if the answer to (c) be in the negative, the reasons therefor?

**The Minister of Works, Housing and Urban Development (Shri Mehr Chand Khanna):** (a) Yes.

(b) A copy of the letter addressed to State Housing Ministers, giving the broad outlines of the decisions, is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-5885/66].

(c) to (e). Do not arise in view of the fact that the revised pattern of assistance would come into effect from the 1st April, 1966 and would apply only to new projects to be sanctioned from 1966-67.

**Assistance to Orissa**

2728. **Shri Ramachandra Ulaka:**
**Shri Dhuleshwar Meena:**

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a shortfall in the assistance given in 1965-66 to Orissa; and

(b) if so, the steps taken by Government to remove the difficulty for releasing the promised amount?

**The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri):** (a) and (b). The assistance promised to Orissa State for the year 1965-66 is being released by the various Central Ministries, with reference to the anticipated expenditure on different schemes. The shortfall in the assistance, if any, can be assessed only after the financial year is over.

**Panchayat Samiti Industries in Punjab**

2729. **Shri Daljit Singh:** Will the Minister of **Planning** be pleased to state:

(a) whether any financial assistance was given to the Panchayat Samitis in the Punjab for the establishment of industries during 1965-66; and

(b) if so, the details thereof?

**The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shri L. N. Mishra):** (a) No. No such scheme was included by the Punjab State Government in their Annual Plan for 1965-66.

(b) Does not arise.

### मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

2730. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति आंकने के लिए जनवरी, 1966 में नौ स्वतन्त्र दल विभिन्न राज्यों में भेजे गये हैं; और

(ख) यदि हां, तो उन के प्रतिवेदन में क्या सिफारिशें की गई हैं और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

**स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० सुशीला नायर) :** (क) और (ख). 1966–67 में कौन से एकक इस कार्यक्रम की समेकन/देख-रेख अवस्था में पहुंचने के योग्य हो गये हैं और कौन से नहीं यह जानने के विचार से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिये भारत सरकार ने जनवरी, 1966 में नौ स्वतंत्र मूल्यांकन दल बनाये हैं । विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद इन दलों ने 1 अप्रैल, 1966 से 24.41 एकक क्षेत्रों से छिड़काव कार्य बन्द करने और उनके समेकन अवस्था में तथा 60.68 एकक क्षेत्रों के देख-रेख अवस्था में प्रवेश करने की सिफारिश की है । स्वतंत्र मूल्यांकन दलों की राज्यवार सिफारिशें सभा पटल पर रखे गये विवरण में दी गई हैं [पुस्तकालय में रख गया, देखिए संख्या LT—5886/66].

### क्षय रोग सर्वेक्षण

2731. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री पी० कुन्हन :**

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार की सहायता से क्षय रोग संबंधी सर्वेक्षण किया है; और

(ख) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ?

**स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० सुशीला नायर) :** (क) और (ख). केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकारों की सहायता से क्षय रोग म बंधी कोई सर्वेक्षण नहीं किया है, किन्तु 1955–58 में देश के छः क्षेत्रों, नामतः दिल्ली, पटना, कलकत्ता, मदनपल्ली, त्रिवेन्द्रम और हैदराबाद, में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने क्षय रोग का एक राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण किया था । इस सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार थे :—

(1) जनसंख्या का लगभग 1.5 प्रतिशत सक्रिय फुफुसीय रोग से पीड़ित है ।

(2) अनुमानतः 0.4 प्रतिशत जन संख्या संक्रामक फुफुसीय क्षय रोग से ग्रस्त हैं ।

(3) ग्राम क्षेत्रों में भी इस रोग की व्यापकता लगभग उतनी है जितनी शहरों में है ।

(4) पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियां विशेषतया 35 वर्ष से अधिक आयु वालों में इस रोग की व्यापकता कम है ।

(5) सामान्यतया आयु के बढ़ने के साथ-साथ इस रोग की व्यापकता में भी वृद्धि पाई गई ।

(6) शहरों में पक्के मकानों की अपेक्षा कच्चे मकानों में रहने वाले व्यक्तियों में इस रोग की अधिक व्यापकता से